

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। -हरिऔध

देश में संघर्ष जन्म प्रगति हेतु युवा क्रान्ति

हमारे देश भारत में अन्य देशों की तरह कई समस्याएँ हैं। कुछ भारत की अपनी हैं और कुछ सभी देशों में कमीबेश मौजूद हैं। उदाहरणार्थ विश्व की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ कम क्षेत्रफल हमारी विशेष समस्या है। परंतु मई/जून, बरोजगारी व भ्रष्टाचार सारे विश्व की समस्याएँ हैं। इसी तरह आतंकवाद भी सारी आबादी पीड़ित है। एक बहुत बड़ी बुराई जो कुछ देशों की स्थायी प्रवृत्ति है और वह है विस्तारवाद एवं साम्राज्यवाद की। जबकि भारत इस बुराई से बिल्कुल अछूता है। गुलामी के समय में तो हमारा शोषण हुआ ही परंतु स्वतंत्रता के बाद भी हमारे नेता व अधिकारी हमारा शोषण करते रहे हैं और यही कारण है कि भारत उतना विकास नहीं कर सका जितना वह कर सकता था। इसमें सबसे अधिक समस्याएँ परिवारवाद व अल्प संख्यक एवं कई अन्य वर्गों के प्रति अधिकाधिक तुष्टीकरण की नीति के कारण हैं। इन दोनों नीतियों ने आज देश में सत्ता लिप्सा एवं इस हेतु 'बॉटो और राज कमे' की प्रवृत्ति को बढ़ाया है।

इन सब समस्याओं के बावजूद हाल ही के वर्षों में भारत ने एक सशक्त, समर्थ व सबल राष्ट्र की छवि प्राप्त की है। इसके पीछे कई अनेक कारणों के साथ कुछ महापुरुषों के त्याग व बलिदान उत्तरदायी हैं। नेताजी सुभाष बोस, शहीदे आज़म भागत सिंह, बाल गंगाधर तिलक, मालवीयजी, खुदीराम, बिस्मिल आदि हमारे अमूल्य रत्न हैं। सरदार पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, नरसिंहराव, अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी आदि हमारे आदर्श नेता हैं। इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि अन्य कई व्यक्तियों का योगदान नहीं है, परंतु उन्होंने अपनी कुछ दुर्बलताओं के कारण कुछ स्थायी समस्याओं को भी जन्म दिया।

इस आलेख में कुछ महापुरुषों की सदरप्रेषणा से युवक-युवतियों में संघर्ष करने व आगे बढ़ने की चेष्टा जागृत हुई। आज एक नहीं अनेक उदाहरण हैं जिनमें शून्य से शिखर तक पहुँचने के प्रमाण हैं। दलित, शोषित, वंचित भी जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। निम्न मध्यम वर्ग के लाखों सदस्य उच्च मध्यम वर्ग में पहुँचे हैं।

जहाँ सरकारों से अपेक्षाएँ बढ़ी हैं, वह कहना अनुचित होगा कि सरकारों ने उनकी पूर्ति का प्रयास नहीं किया है। कोरोना की महामारी के लम्बे समय में 80 करोड़ आबादी को मुफ्त भोजन जुटाया गया है। कोरोना से लड़ने हेतु टीका आधिकारिक किया, कोरोना का टीकाकरण किया। पूर्व के मुकाबले भारत की सैन्य शक्ति कई गुना बढ़ी है। आज भारत मॉरिंगे वाला नहीं, देते वाला राष्ट्र बन गया है। औषधियों, अन्न, सैन्य सामान निर्यात करने लगा है।

राजनेताओं एवं अधिकारियों तथा अधिकांश जनता के स्वार्थ के उपरान्त भी युवा वर्ग में एक प्यास जगी है, आगे बढ़ने की। सबसे अधिक चेतना शिक्षा के प्रति आई है। जन सामान्य में वह विचार घर करता गया कि शिक्षा ही उनके जीवन को बदल सकती है। इसके लाखों नमूने मिल जायेंगे। मुम्बई

एक टेक्सस में यात्रा कर रहा था, टेक्सस ड्राइवर उत्तरी भारत से था। पता चला कि उसके दो पुत्र हैं, एक एम.बी.ए. कर बैंक में है व दूसरा इंजीनियरिंग में पढ़ रहा है। इसी प्रकार एक दूसरे ड्राइवर की पुत्री भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही बताई गई। एक दिन एक ऑटो में सफर करते हुए उससे पता लगा कि वह मेकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। पढ़ाई में एक लड़की कई घरों में शाहू-पांछा लगाने, बर्तन मॉरिंगे का कार्य करती है। पता लगा कि वह इतिहास तथा राजनीति विज्ञान में दोहरा अधिस्तानक है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है, एक दिन वह उच्च अधिकारी अवश्य बनेगी। और भी तारीफ की बात यह है कि वह अनुसूचित जनजाति

की गमती (भाल) कन्या है। और हाँ स्वभाव और व्यवहार भी देखिये। एक दिन स्कूटर ड्रिंघर-उधर खिसकते हुए घर में गिर पड़ा। वह साइकल पर जा रही थी। मुझे देखा, साइकल ली और दौड़ कर मुझे उठाया। शाबाश बेटा, धन्य है तुम्हारी जैसी अनेक लड़कियाँ हमारे देश का गौरव बढ़ा रही हैं।

वाह रे देश, क्या इन्हीं में से एक हमारी महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू नेता व राष्ट्रपति नहीं हैं। महाभारत काल की द्रोपदी (पाँचाली) अतिनकुंड से प्रकट हुई थी। वह भी अग्नि में तप कर कुंदन बनकर निकली थी। उसी के सतीत्व से, उसकी प्रेरणा से, उसी के संकल्प से पाण्डवों को महाभारत में कौरवों पर विजय मिली। उसी के सतीत्व व नारीत्व के मान-सम्मान की रक्षा हेतु कृष्ण ने पाण्डवों का साथ दिया। यही नहीं गीता का महान उपदेश देकर अर्जुन को कायरता के पाप से बचाया। हमारी राष्ट्रपति द्रोपदी भी करोड़ों-करोड़ों भारतीय नारियों का आदर्श हैं, उनकी प्रेरणा हैं। एक अत्यंत निर्धन परिवार की आदिवासी ग्राम बाला ने इतिहास के नये पृष्ठ लिख दिये हैं। क्या वह भी निर्धनता, पति एवं पुत्र विछोह एवं वियोग की नहीं में नहीं तपी। वह मुहं में चांदी का चम्मच लिये नहीं जनमी थी और वे पेरारुष्ट से उतर कर नेता ही नहीं राष्ट्रपति बन गईं। वह घोर संघर्ष करके पढ़ी, छोटी-छोटी नौकरियाँ कीं, पार्थद, विधायक, मंत्री तथा राज्यपाल की सीढ़ियाँ चढ़ कर आज राष्ट्रपति हैं। महामहिम द्रोपदी, तुम्हें कोटि कोटि प्रणाम, तुम भारत की ही नहीं सारे विश्व की करोड़ों नारियों की प्रेरणा हो, एक नये युग की, एक नई युवा क्रांति की पढ़ी सूत्रधार हो, अब करोड़ों नारियाँ महामहिम के पद तक पहुँचने का प्रयास करेंगी।

एक युग प्रवर्तक, एक युगांतर कारी, एक नये युग के सूत्रधार का नाम इतिहास में और चमकता है और वह है पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का। अरे याद करो इस अखबार बेचकर पढ़ने वाले महापुरुष को जो मंदिरों व मस्जिदों की कृपा से तन, मन, धन से समर्थ हुआ। कृतज्ञ राष्ट्र को शक्तिकाली आग्नेयारुध देकर अमर हुआ। भारत का महामहिम राष्ट्रपति बना। अनेक राजसी प्रयासों को अनेक गुलामी के समय की रूढ़ियों को तोड़ा। देश प्रेम का असुरक्षित उदाहरण राष्ट्रपति का अमर संदेश देकर गया। सत्यमेव जयते का घोष कर कहा कि मुस्लिम मूलतः आतंकी नहीं, वह मरसों में आतंकी बनाया जाता है।

आज लाखों-करोड़ों युवा-युवती एक नवीन भारत, एक सशक्त, समर्थ, संपन्न भारत के निर्माण में अपने नये विचारों, नये संकल्पों व नवीन उपक्रमों के सफल प्रयोग कर रहे हैं। पूर्व अमर महामहिम राष्ट्रपति कलाम, वर्तमान राष्ट्रपति आदिवासी महामहिम द्रोपदी मुर्मू व एक चाय बेचने वाले से प्रधानमंत्री पद तक पहुँचने ये महापुरुष एक नवयुग के सूत्रक हैं। ये प्रतीक हैं हिंद महासागर की उताल लहरों के, ये प्रतीक हैं हमारी गगनचुम्बी हिमालय की चोटियों के जो यह जय घोष कर रही हैं कि भारत का युवा जाग चुका है, वह आगे ही आगे बढ़ेगा, तिरंगा लेकर, अब वह भारत के भाल को झुकने नहीं देगा।

-अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)



राशिफल परिचय 10 सितम्बर, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शनिवार, विक्रम संवत् 2079, शतभिषा नक्षत्र प्रातः 7:37 तक, श्रुति योग दिन 7:54 तक, ड्रव करण दिन 3:29 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:53 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरु-मीन, शुक-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज बुध चक्री प्रातः 9:10 पर होगा। आज सत्यरत है और भ्रक तपसाह और गोत्रि रात्रि व्रत समाप्त होगा और सप्तमह का चतुर्मास पूर्ण होगा। आज पंचक है। आज पूर्णिमा और चौडपदी का श्राद्ध है। आज से पितृपक्ष और मोक्षवय श्राद्ध आरम्भ होगा। आज पूर्णिमा का श्राद्ध दिन 1:38 से 3:29 तक और प्रतिपदा का श्राद्ध दिन 3:30 से 4:05 के मध्य में समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघडिया: शुभ 7:46 से 9:19 तक, चर 12:24 से 1:56 तक, लाभ-अमृत 1:56 से 5:02 तक। राहकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:34

मेघ	सिंह	धनु
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। संभावित खोस से धन प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।	परिवार में आपसी सहयोग-सम्बन्ध बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवारियों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। कार्य शौर्यता/सुगमता से बचने लगेगा।
वृष	कन्या	मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त होगा।	आर्थिक मामलों से संबंधित परामर्शों दूर होने लगेगा। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।	आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
मिथुन	तुला	कुंभ
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नौकरों/पेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रयुक्त बढ़ेगा।	व्यावसायिक कार्यों के भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में अड़चनें दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धन प्राप्त होगा।	व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुए कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।
कर्क	वृश्चिक	मीन
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिनाइ सकते हैं।	घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



भागचंद जैन मिश्रा

है। बधाइयों के पूर्व बहुत होते हैं, जिनमें शुभकामनाएं दी जाती हैं, लेकिन जीवन में एक ऐसा दिन भी आना चाहिए, जब हम अपनी आत्मा के बोझ को कुछ हल्का कर सकें। अपनी भूलों का प्रायश्चित्त करना तथा यह प्रतिज्ञा करना कि दूसरी भूल नहीं करेंगे, यह हमारे आत्मविकास में सहाय्यी होता है।

क्रोधविद कशाघातों से मानव क्रूर - कर्कश दानव तक बन जाता है, क्षमा व्रत का पालन करने से मानव देवता बन जाता है। शूखीर की शक्ति का मापदंड ही क्षमा होता है। क्षमा शस्त्रम करिष्यती दुर्जनः। अत्रणे पतितो वहीः स्वय मेव प्रशाम्यति। जिसके पास क्षमा का सामर्थ्य तथा बल है, उसका दुष्ट, दुर्जन कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। तुण रहित स्थान पर गिरी हुई अग्नि स्वतः ही बुझ जाती है।

संसार में सुख और शांति का मूल क्षमा है। हम अपने जीवन में कितने ही बुरे कर्म जान-बूझकर करते हैं और कितने ही पशुपत अनजाने में हो जाते हैं। हमारे कृत्यों की वजह से दूसरों का मन आहत हो जाता है। क्षमावाणी पूर्व हमें वर्ष में कम से कम एक बार इस पर विचार करने का अवसर देता है कि हमने

जिसके पास क्षमा का सामर्थ्य तथा बल है, उसका दुष्ट, दुर्जन कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। तुण रहित स्थान पर गिरी हुई अग्नि स्वतः ही बुझ जाती है।

शहरी रोजगार गारंटी योजना के शुभारम्भ समारोह में नहीं पहुंचे श्रमिक

मालपुरा, (निसं)। मनरेगा की तर्ज पर शहरी क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुरूप शुरू की गई इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का शुक्रवार को पालिका प्रशासन की ओर से घाटी रोड पर आंशिक रूप से उद्घाटन समारोह आयोजित कर योजना के शुभारम्भ की औपचारिकता पूरी की गई।

ईओ ने जुटाई सफाई कर्मचारियों की भीड़, एसडीएम ने उद्घाटन समारोह की पूरी की औपचारिकता

प्रचार-प्रसार के अभाव में जरूरतमंद बेरोजगार श्रमिक बेखबर रहे

समारोह स्थल पर पालिका प्रशासन द्वारा सौ व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था तो की गई लेकिन समारोह के निश्चित समय 10 बजे का रखे जाने के बावजूद दोपहर 12 बजे तक भी समारोह स्थल वीरान रहा। प्रचार-प्रसार व सूचनाओं के अभाव में शहर के जरूरतमंद बेरोजगार श्रमिक एवं ऑनलाइन पंजीकृत श्रमिक श्रुक्रवार को आयोजित समारोह से बेखबर रहे।

दोपहर बाद कार्यवाहक ईओ देशराज मिणा व कार्मिकों ने संविदा पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को समारोह स्थल पर बुला भीड़ जुटाने का प्रयास किया पर भी नाकाफिर रहा। दोपहर बाद एसडीएम आरके वर्मा, तहसीलदार सहदेश मंडा, प्रधान सकारम चौपडा, सीआर गोपाल गुर्जर, उपाध्यक्ष पवन नैन्दवास्या, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आरडी मिणा ने समारोह स्थल पहुंच उद्घाटन व योजना शुभारम्भ कर औपचारिकता पूर्ण की।

शहरी रोजगार गारंटी योजना की हुई घोषणा पर 950 से अधिक शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले जरूरतमंद एवं कमजोर वर्ग के व्यक्तियों ने रोजगार के लिए अपना आवेदन किया था। योजना के शुभारम्भ पर पहले चरण में श्री श्रमिकों को जांबकाई वितरण व

कितनों को आहत किया है, ठेस पहुंचाई है। चली आ रही दुश्मनी, बैर-भाव की गांठ को बांधकर आखिर हम कहाँ जाएँगे? जब हम किसी से क्षमा मांगते हैं तो दरअसल अपने ऊपर ही उपकार करते हैं।

अच्छाई की ओर प्रवृत्त होने की भावना जब हर मानव के चित्त में समा जाएगी, तब मानव जीवन की तस्वीर ही कुछ और होगी। क्षमा वीरों का आभूषण है, कायरों का नहीं। कायर तो प्रतिकार करता है। प्रतिकार करना आम बात है, लेकिन क्षमा करना सबसे हिम्मत वाली बात है।

क्रोध एक दुर्बलता है। मानव-जीवन में वह सहज है, किन्तु तभी तो उसे विजित करने की आवश्यकता है - मानव-जीवन का लक्ष्य ही है-कमजोरी, दुर्बलता को विजित करना तथा मानसिक तथा आत्मिक शक्तियों का विकास करना।

क्षमा भाव अंतस का भाव है। जो अंतस को शुद्धि के आकांक्षी है, वे सभी इस पर्व को मना सकते हैं। इस शाश्वत आत्मिक पर्व को जैन परंपरा ने जीवित रखा हुआ है। क्षमा तो हमारे देश की संस्कृति का पारंपरिक गुण है। यहाँ तो दुश्मनों तक को क्षमा कर दिया जाता है। हमारी संस्कृति कहती है-मिर्ची में सब्ज भूयेसु, बैर मरुद्वि केणवि। प्राकृत भाषा को इस सुक्ति का अर्थ है सभी जीवों में मैत्री-भाव रहे, कोई किसी से बैर-भाव न रखे। जैन संस्कृति ने इस सुक्ति को हमेशा दोहराया है। भगवान महावीर ने कहा है कि "कोहो पिईयपणा सई" क्रोध प्रीति का नारा करता है। क्रोध पर विजय पाने के लिए एक मात्र उपाय 'क्षमा' है। क्षमा से ही जीव को मानसिक शान्ति मिलती है। क्षमापना से वैमनस्य दूर हो जाता है। मन हल्का हो जाता है।

गलतियों पर सजा देने का हक न

स्वयं को है न दूसरों को। क्षमाभाव से दोहरा लाभ मिलता है सामने वाले को आत्मप्राप्ति से मुक्ति दिलाने की दूरियाँ दूर कर सहज वातावरण का निर्माण होता है।

दुर्बल व्यक्ति ही अधिक क्रोध करता है। क्योंकि क्रोध के अतिरिक्त वह और कुछ कर ही नहीं सकता। शक्तिशाली व्यक्ति का कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता है, अतः निरर्थक क्रोध की उसे आवश्यकता नहीं होती। या तो वह पूर्ण प्रतिकार करता है, अथवा यदि वह अधिक विचारवान है तो वह क्षमा करता है। अतः यह कहा जा सकता है कि क्रोध करना कार्यों का कार्य है, वीरों का धर्म तो क्षमा करना ही है।

अहम, बदले की भावना, क्रोध, एक दूसरे से आगे बढ़ने की इच्छा, इध्या भाव, गलती न मानना, सहनशीलता का

अभाव, अविवेकपूर्ण निर्णय, भेदभाव पूर्ण व्यवहार आदि दुर्गुण केवल मात्र क्षमा अपनाने से दूर हो सकते हैं। व्यक्तिगत तौर पर मन-मलीनता, कटुता में कमी, यथानुरूप रक्त संचार, तनाव से मुक्ति, बदले की भावना नष्ट होना, सकारात्मक सोच, सद्भाव, खुशहाली में बढ़ोतरी होती।

परिवार में क्षमा भावना से परिवार में आपसी समन्वय, सद्भावना और एकता बनी रहती है। समाज में भाईचारा बना रहता है, विकास की संभावनाएं बनती हैं। एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के बजाय पूरक बनकर सहायिता जन्म लेती है। देश में एकता की भावना जागृत होती है, टैक्स की राशि पुलिस, न्यायालय आदि व्यवस्था में कम खर्च होती है, जो देश के विकास को गति प्रदान में सहायक होती है। वैश्विक स्तर पर सीमा पर मनमुटाव, लडाई, की संभावना समाप्त होकर आपसी समन्वय एवं सद्भाव से पूरे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है।

यद्यपि क्षमावाणी पर्व जैन धर्मावलंबियों द्वारा मनाया जाता है, तथापि जैन धर्म के सिद्धांतों की अनुपालना करने वाला कोई भी जैन बन सकता है और क्षमावाणी पर्व मना सकता है। क्षमा पूर्व मनाया केवल जैनियों का ही अधिकार नहीं है। क्षमा एक ऐसा आत्मशोधक गुण है, जिसकी सभी को आवश्यकता है क्योंकि इंसान को गलतियों का पुतला कहा जाता है। गलती मानना एवं उसमें सुधार करने का सभी को अधिकार होना चाहिए। अंतस के मूलगुण किसी धर्म-संप्रदाय से बंधे नहीं होते, इसीलिए क्षमापूर्व सर्वधर्म समन्वय का भी आधार है।

भागचंद जैन मिश्रा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैकर्स फ़ोरम, जयपुर।

उदयपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने नवाचार करते हुए आगामी 27 सितंबर को कोटड़ा महोत्सव 2022 मनाने की घोषणा की है।

जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने शुक्रवार को इस महोत्सव की आवश्यक तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली एवं समय पर तैयारियाँ पूर्ण बैठक के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने कहा कि उनका मकसद है

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

प्रत्यक्ष दर्शन के लिए पाण्डाल में प्रवेश हेतु आपका वी.वी.आई.पी. होना आवश्यक था वी.वी.आई.पी. होना कोई गलत नहीं है। एक लम्बे संघर्ष एवं मेहनत का प्रसाद है। परन्तु ऐसे महान संत और आम श्रद्धालु के मध्य बढ़ती यह दूरी उचित नहीं है। आम भक्त की अपनी आदरणीय संत तक पहुँच बहुत ही सहज होनी चाहिये। उनको ईश्वरिया एवं ओजस्वी जाणों को सुनने का सभी को समान अवसर मिलना चाहिये। संतों का स्थायी आवास कुटिया है। वैभवशाली अट्टालिकाएँ नहीं। इसलिए संतों के आवास व भोजन व्यवस्था का स्वर्णिम अवसर गरीब श्रद्धालुओं को भी मिलना चाहिये। संतों के लिए सभी भक्तगण समान हैं, कोई बड़ा-छोटा नहीं है। परन्तु व्यवहार में यह अन्तर बढ़ता जा रहा है। इसलिए कभी-कभी गरीबों की बस्ती में भी संत-महात्माओं को अपने प्रवचन व

पूर्व कुलपति महर्षि दयानंद सरस्वती विवि, अजमेर, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाडा

अभाव, अविवेकपूर्ण निर्णय, भेदभाव पूर्ण व्यवहार आदि दुर्गुण केवल मात्र क्षमा अपनाने से दूर हो सकते हैं।

व्यक्तिगत तौर पर मन-मलीनता, कटुता में कमी, यथानुरूप रक्त संचार, तनाव से मुक्ति, बदले की भावना नष्ट होना, सकारात्मक सोच, सद्भाव, खुशहाली में बढ़ोतरी होती।

परिवार में क्षमा भावना से परिवार में आपसी समन्वय, सद्भावना और एकता बनी रहती है। समाज में भाईचारा बना रहता है, विकास की संभावनाएं बनती हैं। एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के बजाय पूरक बनकर सहायिता जन्म लेती है। देश में एकता की भावना जागृत होती है, टैक्स की राशि पुलिस, न्यायालय आदि व्यवस्था में कम खर्च होती है, जो देश के विकास को गति प्रदान में सहायक होती है। वैश्विक स्तर पर सीमा पर मनमुटाव, लडाई, की संभावना समाप्त होकर आपसी समन्वय एवं सद्भाव से पूरे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है।

यद्यपि क्षमावाणी पर्व जैन धर्मावलंबियों द्वारा मनाया जाता है, तथापि जैन धर्म के सिद्धांतों की अनुपालना करने वाला कोई भी जैन बन सकता है और क्षमावाणी पर्व मना सकता है। क्षमा पूर्व मनाया केवल जैनियों का ही अधिकार नहीं है। क्षमा एक ऐसा आत्मशोधक गुण है, जिसकी सभी को आवश्यकता है क्योंकि इंसान को गलतियों का पुतला कहा जाता है। गलती मानना एवं उसमें सुधार करने का सभी को अधिकार होना चाहिए। अंतस के मूलगुण किसी धर्म-संप्रदाय से बंधे नहीं होते, इसीलिए क्षमापूर्व सर्वधर्म समन्वय का भी आधार है।

भागचंद जैन मिश्रा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैकर्स फ़ोरम, जयपुर।

उदयपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने नवाचार करते हुए आगामी 27 सितंबर को कोटड़ा महोत्सव 2022 मनाने की घोषणा की है।

जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने शुक्रवार को इस महोत्सव की आवश्यक तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली एवं समय पर तैयारियाँ पूर्ण बैठक के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ताराचंद मिणा ने कहा कि उनका मकसद है

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक कला, लोक उत्पाद, वाद्य यंत्र, आभूषण आदि के वैशिष्ट्य का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान आकर्षक परंपरागत खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, साफा या पगडी बांधो प्रतियोगिता, तौरंदाजी, सतोलिया, गुल्ली डंडा जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में होटल एरिसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे जिनसे स्पॉन्सर करने की अपील की। बैठक जिला कलेक्टर ने सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु फोल्डर्स को महोत्सव में रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कोटड़ा महोत्सव की व्यापक तैयारी की समीक्षा के लिए पुनः एक बैठक रविवार को 12.30 बजे कोटड़ा में लैंगी।

उदयपुर आने वाले पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाएँ एवं यहां की संस्कृति के दर्शन कर सकें।

जिला कलेक्टर ने महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र